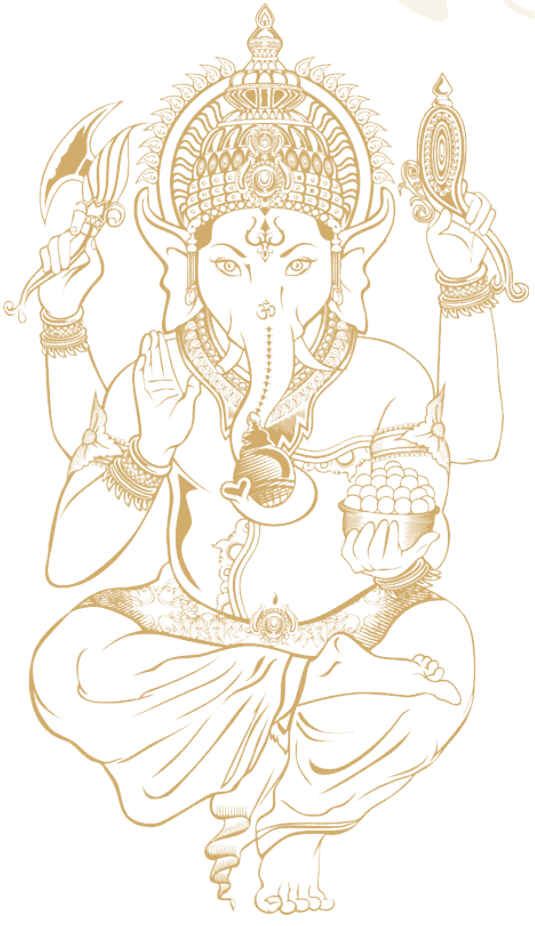

Himanshu Sharma

23 Jul 2003

04:00 AM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/07/2003**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:50 घंटे**
इष्ट	56:05:07 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:38:06 घंटे
वेलान्तर	-00:06:25 घंटे
साम्पातिक काल	23:39:09 घंटे
सूर्योदय	05:34:47 घंटे
सूर्यास्त	19:23:05 घंटे
दिनमान	13:48:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:47:47 कर्क
लग्न के अंश	14:37:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:37:04	318:54:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			कर्क	05:47:47	00:57:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	23:41:13	11:48:01	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	15:57:33	00:05:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	23:44:45	01:43:45	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			कर्क	28:27:05	00:12:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	उच्च राशि
शुक्र			मिथु	28:24:48	01:13:45	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मिथु	12:21:54	00:07:23	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु			वृष	03:39:12	00:00:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:39:12	00:00:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:08:29	00:01:54	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	18:13:30	00:01:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:40:54	00:01:04	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मीन	00:24:51	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:11

लग्न-चलित

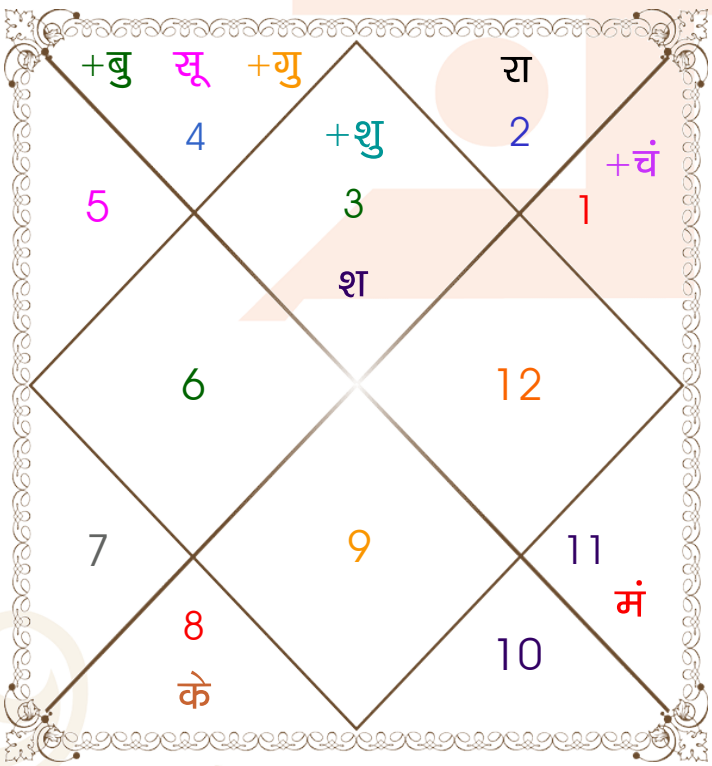

चन्द्र कुंडली

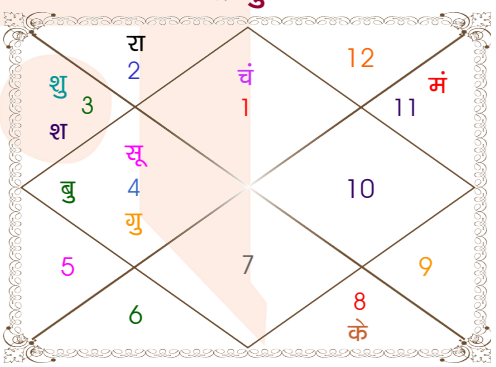

नवमांश कुंडली

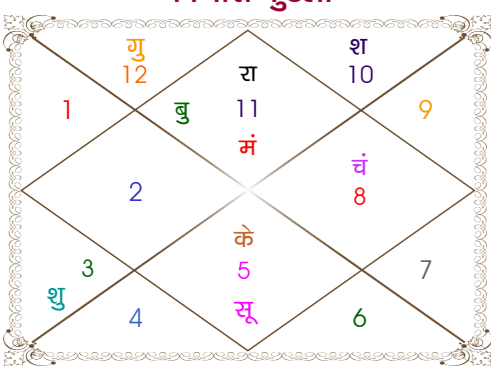

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 5 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/07/2003		10/01/2008		10/01/2014		10/01/2024		10/01/2031	
10/01/2008		10/01/2014		10/01/2024		10/01/2031		10/01/2049	
	00/00/0000	सूर्य	29/04/2008	चंद्र	10/11/2014	मंगल	07/06/2024	राहु	22/09/2033
	00/00/0000	चंद्र	28/10/2008	मंगल	11/06/2015	राहु	26/06/2025	गुरु	16/02/2036
	00/00/0000	मंगल	05/03/2009	राहु	10/12/2016	गुरु	02/06/2026	शनि	23/12/2038
	00/00/0000	राहु	28/01/2010	गुरु	11/04/2018	शनि	12/07/2027	बुध	11/07/2041
	00/00/0000	गुरु	16/11/2010	शनि	10/11/2019	बुध	08/07/2028	केतु	30/07/2042
	23/07/2003	शनि	29/10/2011	बुध	11/04/2021	केतु	04/12/2028	शुक्र	29/07/2045
शनि	10/01/2004	बुध	04/09/2012	केतु	10/11/2021	शुक्र	03/02/2030	सूर्य	23/06/2046
बुध	10/11/2006	केतु	10/01/2013	शुक्र	12/07/2023	सूर्य	11/06/2030	चंद्र	23/12/2047
केतु	10/01/2008	शुक्र	10/01/2014	सूर्य	10/01/2024	चंद्र	10/01/2031	मंगल	10/01/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/01/2049		10/01/2065		10/01/2084		11/01/2101		11/01/2108	
10/01/2065		10/01/2084		11/01/2101		11/01/2108		00/00/0000	
गुरु	28/02/2051	शनि	13/01/2068	बुध	08/06/2086	केतु	09/06/2101	शुक्र	13/05/2111
शनि	10/09/2053	बुध	22/09/2070	केतु	05/06/2087	शुक्र	09/08/2102	सूर्य	12/05/2112
बुध	17/12/2055	केतु	01/11/2071	शुक्र	05/04/2090	सूर्य	15/12/2102	चंद्र	11/01/2114
केतु	22/11/2056	शुक्र	01/01/2075	सूर्य	09/02/2091	चंद्र	16/07/2103	मंगल	13/03/2115
शुक्र	24/07/2059	सूर्य	14/12/2075	चंद्र	11/07/2092	मंगल	12/12/2103	राहु	13/03/2118
सूर्य	11/05/2060	चंद्र	14/07/2077	मंगल	08/07/2093	राहु	29/12/2104	गुरु	11/11/2120
चंद्र	10/09/2061	मंगल	23/08/2078	राहु	25/01/2096	गुरु	05/12/2105	शनि	24/07/2123
मंगल	17/08/2062	राहु	29/06/2081	गुरु	02/05/2098	शनि	14/01/2107		00/00/0000
राहु	10/01/2065	गुरु	10/01/2084	शनि	11/01/2101	बुध	11/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।